अंता पालिका के सहायक अभियंता के पास 3.70 लाख की संदिग्ध नकदी जब्त

एसीबी की करौली इकाई द्वारा आकस्मिक चेकिंग के दौरान कार्रवाई की गई

जयपुर/अंता, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए बारां जिले की अंता नगर पालिका में पदस्थापित सहायक अभियंता महेन्द्र सिंह के कब्जे से 3 लाख 70 हजार रुपये की संदिग्ध नकदी जब्त की है। यह कार्रवाई एसीबी की करौली इकाई द्वारा हिण्डौन सिटी के बयाना रोड पर आकस्मिक चेकिंग के दौरान की गई।

एसीबी महानिदेशक गोविन्द्र गुप्ता ने बताया कि मुख्यालय को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। सूचना में बताया गया था कि सहायक अभियंता महेन्द्र सिंह बड़ी मात्रा में अवैध राशि लेकर हिण्डौन सिटी (जिला करौली) जाने वाले हैं। इस सूचना पर एसीबी के उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के निर्देशन में करौली इकाई के पुलिस निरीक्षक जगदीश भारद्वाज ने बयाना रोड, हिण्डौन सिटी पर आकस्मिक चेकिंग की। इस दौरान महेन्द्र सिंह के पास से 3.70 लाख रुपये की नकदी बरामद की गई। पूछताछ के दौरान अधिकारी उक्त राशि के संबंध में कोई ठोस सबूत या संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद एसीबी ने राशि को जब्त कर लिया और मामले में विस्तृत जांच शुरू कर दी है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव एवं एस. परिमला के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ जारी है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

अंता नगर पालिका में पदस्थापित सहायक अभियंता महेन्द्र सिंह से एसीबी ने नगदी जब्त की।

- पूछताछ में अधिकारी राशि के संबंध में कोई ठोस सबूत, संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं कर सके

बीकानेर में साले ने बहनोई की तलवार से गर्दन काटकर हत्या की

बीकानेर, (निसं)। साले ने अपने साथी के साथ मिलकर जीजा की तलवार से गर्दन पर वार कर हत्या कर दी। बहू ने हत्या से पहले ससुर को कॉल कर धमकी दी थी और कहा था कि बेटे को समझा लो नहीं तो उसे छोड़ेंगे नहीं। मामला मुक्ताप्रसाद थाना क्षेत्र में रामपुरा बस्ती की गली नंबर सात का शुक्रवार देर रात का है।

एसएचओ विजेंद्र शीला ने बताया कि जय सिंह (28) पुत्र राजेंद्र सिंह की हत्या हुई है। युवक के पिता ने बेटे के साले कपिल सिंह और एक अन्य पर आरोप लगाए हैं। दोनों को डिटेन कर पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस बल तैनात किया गया है। डीएसपी अनुज डाल ने बताया कि जयसिंह और उसकी पत्नी के बीच दो साल से विवाद चल रहा था। इसके चलते हत्या हुई है। जय सिंह के पिता राजेंद्र सिंह ने एफआईआर में बताया कि बेटे और उसकी पत्नी कुंजिका के बीच विवाद चल रहा था। 10 अप्रैल की रात 10:44 बजे कुंजिका ने कॉल कर कहा था कि अपने बेटे जय सिंह को समझा लो नहीं तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं।

एफआईआर में बताया कि इसके बाद उन्होंने बेटे को ढूंढा तो वह घर पर नहीं मिला। जब वे बेटे की तलाश में रामपुरा बस्ती स्थित शनि मंदिर के पास पहुंचे। वहां बेटे जय सिंह से उसका साला कपिल सिंह और अन्य मारपीट कर रहे थे। कपिल सिंह के हाथ में तलवार थी। एफआईआर में बताया कि जैसे ही शोर मचाया तो दोनों वहां से बाइक लेकर भाग निकले। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से पीबीएम अस्पताल पहुंचाया, यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

- मृतक के पिता ने बेटे के साले व एक अन्य पर आरोप लगाए, पुलिस ने दोनों को डिटेन किया
- पति-पत्नी के बीच विवाद दो साल से चल रहा था, बहू ने हत्या से पहले ससुर को कॉल कर धमकी दी थी

नोखा में बैंक मैनेजर पर 1.57 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

नोखा, (निसं)। पुलिस थाने में कैनरा बैंक के मैनेजर और अन्य कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी और गबन का एक मामला दर्ज किया गया है। काकड़ा निवासी पूजा बिश्नोई ने आरोप लगाया है कि बैंक कर्मचारियों ने उनकी फर्म के खाते से फर्जी तरीके से लगभग 1.57 करोड़ रुपए का गबन किया है।

पूजा बिश्नोई ने अपनी शिकायत में बताया कि वो डेलू ब्रदर्स नामक फर्म की प्रोपराइटर हैं। उन्होंने नवंबर 2025 में बीकानेर रोड, नोखा स्थित कैनरा बैंक की पीपली चौक शाखा में अपनी फर्म का खाता खुलवाया था। 7 जनवरी 2026 को उन्होंने व्यापार के लिए 1.60 करोड़ रुपए का टर्म लोन और 25 लाख रुपए की सीसी लिमिट स्वीकृत करवाई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने उक्त लोन राशि में से लगभग 95 लाख रुपए का उपयोग किया था, जबकि शेष राशि उनके फर्म के खाते में थी। 7 अप्रैल 2026 को जब उनके पति खाते की जानकारी लेने बैंक गए, तो शाखा प्रबंधक और बैंक स्टाफ ने टालमटोल की। इसके बाद पूजा बिश्नोई ने उच्च अधिकारियों से शिकायत की, जिससे उन्हें धोखाधड़ी का पता चला। पूजा बिश्नोई का आरोप है कि बैंक मैनेजर और अन्य स्टाफ ने उनके फर्जी हस्ताक्षर कर ऑनलाइन तरीके से उनकी फर्म के खाते की सीसी लिमिट बढ़ा दी। इसके बाद, उनकी अनुमति के बिना लगभग 1.57 करोड़ रुपए अपने निजी, रिश्तेदारों के और अन्य खातों में स्थानांतरित कर दिए। उन्होंने बताया कि उनकी सीसी लिमिट को ओडी में बदलकर 1.27 करोड़ रुपए किया गया और इस राशि का उपयोग भी बैंक कर्मचारियों ने ही किया।

खाते के विवरण से पता चला कि बैंक कर्मचारियों ने एचडीएफसी बैंक (अमन सिंह परिहार) के खाते में, मां-माजीसा टेलीकॉम, भावना जनरल स्टोर और भुरसिंह/पन्नेसिंह नामक फर्मों में गलत तरीके से राशि ट्रांसफर की थी। इस धोखाधड़ी के कारण पूजा बिश्नोई को उनके लोन की पूरी राशि नहीं मिल पाई, जिससे उन्हें व्यापार में भारी नुकसान हुआ। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि कैनरा बैंक के मैनेजर और अन्य कर्मचारियों ने इसी प्रकार अन्य खाताधारकों की सहमति के बिना भी उनके खातों से लेनदेन कर धोखाधड़ी और गबन किया है। नोखा पुलिस ने पूजा बिश्नोई की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

बालोतरा में क्रिकेट सट्टा पकड़ा, चार जने गिरफ्तार

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा पुलिस ने शनिवार को क्रिकेट सट्टा लगाने के मामले में चार जनों को गिरफ्तार कर तीन लेपटाप, तैतीस मोबाइल सहित करोड़ों का हिसाब-किताब जब्त किया है।

पुलिस अधीक्षक जिला बालोतरा रमेश आईपीएस ने बताया कि आईपीएल 2026 के दौरान जिले में अवैध क्रिकेट सट्टे पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं जुआरियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए जारी दिशा-निर्देशों के क्रम में डीएसटी बालोतरा व पुलिस टीम ने रात्रि में सिटी पार्क, बालोतरा के पास स्थित एक मकान पर दबिश देकर क्रिकेट सट्टा संचालन में प्रयुक्त लैपटॉप, मोबाइल, पियानो अटैची (मोबाईल सेटअप) सहित अन्य सहायक सामग्री एवं करोड़ों रुपये का हिसाब-किताब बरामद कर आरोपी क्रिकेट बुकी जावेद, मनीष, असरफ व महेन्द्र को गिरफ्तार कर संगठित सट्टा गतिविधि का पर्दाफाश किया है।

जानकारी के अनुसार डीएसटी, बालोतरा से सूचना प्राप्त हुई कि सिटी पार्क, बालोतरा के पास जावेद वगैरा द्वारा आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स एवं लखनऊ सुपर जायंट्स के मध्य चल रहे क्रिकेट मैच परसट्टा संचालित किया जा रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने जावेद के किराये के मकान पर योजनाबद्ध तरीके से दबिश दी और जावेद, मनीष, महेन्द्र एवं असरफ को मौके से दस्तयाब किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी जावेद आदि अपने सहयोगियों के साथ मिलकर अत्यंत संगठित एवं तकनीकी तरीके से क्रिकेट मैचों पर जुआ-सट्टा संचालित कर रहे थे।

अगले सप्ताह 40 डिग्री पहुंच सकता है पारा

बीकानेर, (निसं)। अप्रैल के पहले सप्ताह में सुहाना मौसम और किसानों की भारी बर्बादी के बाद अब मौसम ने तेवर बदलने शुरू कर दिए हैं। पिछले कुछ दिनों से सुबह और शाम के समय जो हल्की ठंडक सुकून दे रही थी, अब उसकी भी विदाई है। आसमान पूरी तरह साफ होने के कारण सूरज की किरणें अब सीधे धरातल पर तीखा प्रहार कर रही हैं। अभी तापमान स्थिर है, लेकिन मौसम वैज्ञानिकों अनुमान है कि अगले हफ्ते पारे में जबरदस्त उछाल देखने को मिलेगा। संभावना है कि पारा 40 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को छू सकता है। हवा की गति धीमी रहने के कारण सतह पर उमस और गर्मी का प्रभाव अधिक होगा। यह स्थिति एक प्रकार की 'प्री-हीट' लहर की तरह है, जो स्पष्ट संकेत दे रही है कि इस बार नौतपा शुरू होने से पहले ही भीषण गर्मी अपना असली रंग दिखाएगी। फिलहाल रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने से लोगों को थोड़ी राहत है। अगले कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान भी 23 डिग्री सेल्सियस के पार निकल जाएगा। आमतौर पर इस मौसम में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से बादल छाने या बूंदाबांदी होने पर तापमान में गिरावट आती थी, लेकिन फिलहाल ऐसी कोई संभावना नजर नहीं आ रही है।

उदयपुर : बाईस साल से फरार डकैत गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। 22 साल पहले उदयपुर में टेक्सटाइल के माल से लदे ट्रक की हुई डकैती मामले में गोवर्धन विलास पुलिस ने फरार चल रहे बदमाश मध्यप्रदेश के देवास निवासी देवी सिंह झाला (57) पुत्र शेर सिंह को गिरफ्तार किया है।

एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि डकैती के मामले में देवी सिंह झाला 22 साल से उदयपुर पुलिस का वांछित अपराधी था। डकैती करने के इस प्रकरण में गिरफ्तार हो चुके अन्य आरोपियों को तो कोर्ट से सजा भी हो चुकी है जबकि एक आरोपी की मौत हो चुकी है। वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत गोवर्धन विलास पुलिस टीम ने 29 जुलाई 2004 को हुई डकैती प्रकरण में फरार चल रहे इनामी बदमाश मध्यप्रदेश के देवास निवासी देवी सिंह झाला पुत्र शेर सिंह को गिरफ्तार किया है। देवी सिंह झाला इस प्रकरण में नामजद हो 22 वर्षों से वांटेड था। इस प्रकरण में देवी सिंह झाला की गिरफ्तारी शेष थी। गत वर्षों में पुलिस ने कई बार इसके गांव में रेड कर इसे पकड़ने का प्रयास किया लेकिन हर बार यह ग्रामीणों की मदद से वहां से भाग जाता था। इस बार गोवर्धन विलास पुलिस टीम ने बदमाश देवी सिंह को पकड़ने के प्रयास तेज किए और साधु बनकर इसके घर व गांव के आस-पास रैकी की। गांव के मुख्य बाजार और मंदिरों के पुजारी से बातचीत कर बदमाश की जानकारी जुटाई। दो दिन पहले पुलिस को मुखबीर से इसके घर आने की सूचना मिली। इस पर गोवर्धन विलास थाने के सउनि मनोहर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम इसके गांव पहुंची, साधु के वेश में ही रैकी की और पुलिस टीम ने घर पर दबिश देकर उसे धरदबोचा।

एएसआई मनोहर सिंह ने बताया कि 1 अगस्त 2004 को रविन्द्र कुमार यादव ने गोवर्धन विलास थाने में रिपोर्ट दर्ज करवायी थी जिसमें उसने बताया था कि सुरत से एक कंटेनर ट्रक लेकर जयपुर जा रहा था। कंटेनर में कपड़ों की गांठें भरी हुई थी। रविन्द्र के साथ कंटेनर में अन्य चालक रामकिशन और खलासी रामजीत थे। ये तीनों कंटेनर लेकर पडुणा उदयपुर पहुंचे थे कि रात को कुछ बदमाशों ने इनके कंटेनर के आगे अपनी गाड़ी लगाकर जबरन रोका।

- पुलिस ने साधु बनकर आरोपी के घर व गांव के आस-पास रैकी की

सांगरिया रिको एरिया में दो फैक्ट्रियों में चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकट सांगरिया रिको एरिया में आई दो फैक्ट्रियों में नकबजनों ने 8-9 अप्रेल की रात में सैंधमारी कर वहां से मशीनरी पार्ट्स के साथ नगदी चोरी कर लिए। पीड़ित ने विवेक विहार थाने में रिपोर्ट दी है। पुलिस ने मौका मुआयना किए जाने के साथ अब सीसीटीवी फुटेज देखे है। चोरों की पहचान के साथ तलाश की जा रही है।

विवेक विहार थाना पुलिस ने बताया कि रामनगर सांगरिया बासनी निवासी अनिल जांगिड़ पुत्र हनुमान प्रसाद जांगिड़ ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसकी एक फैक्टरी श्री राधे इंजीनियरिंग वर्क्स सांगरिया रिको एरिया में आई हुई है। फैक्टरी में आठ अप्रैल को सुबह करीब पांच बजे चोरों ने यहां से पम्प सहित मोटर, मशीन का एल्यूमिनियम ब्लॉक एवं अन्य सामान चोरी कर लिया। इसके बाद नौ अप्रैल को सुबह 4.10 बजे पुन: फैक्टरी में चोरी का प्रयास किया गया। क्षेत्र में स्थित एक अन्य हैंडीक्राफ्ट फैक्टरी के मालिक छगनलाल के यहां से भी चोर गैस सिलेंडर, चूल्हा तथा करीब 18 हजार रुपये चोरी कर ले गए।

झुंझुनूं में संविदा शिक्षिका पर धर्म परिवर्तन के प्रयास का आरोप

झुंझुनूं/सूरजगढ़, (निसं)। झुंझुनूं जिले के सूरजगढ़ पंचायत समिति क्षेत्र के काजड़ा गांव में एक संविदा शिक्षिका पर धर्म परिवर्तन के प्रयास का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने जवाहर नवोदय विद्यालय के मुख्य द्वार के बाहर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। बाद में पुलिस की समझाइश के बाद ग्रामीण शांत हुए और प्रतिनिधिमंडल ने पिलानी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

ग्रामीणों का आरोप है कि जवाहर नवोदय विद्यालय में संविदा पर कार्यरत एक शिक्षिका पिछले कुछ समय से गांव में सक्रिय है और घर-घर जाकर महिलाओं व अन्य ग्रामीणों से संपर्क कर रही है। ग्रामीणों के अनुसार, इस दौरान कथित रूप से धार्मिक चर्चाओं के जरिए एक विशेष धर्म के प्रति प्रेरित करने तथा दूसरे धर्म के प्रति नकारात्मक बातें कहने का प्रयास किया गया। कुछ ग्रामीणों ने धार्मिक साहित्य और पुस्तकें बांटने की बात भी कही है। सूचना मिलते ही पिलानी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से बातचीत कर स्थिति को शांत कराया। पिलानी थानाधिकारी चंद्रभान चौधरी ने बताया कि काजड़ा गांव में नवोदय विद्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। ग्रामीणों ने एक शिकायत पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया है कि विद्यालय की एक शिक्षिका गांव की महिलाओं और स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को धर्म विशेष के बारे में गुमराह कर रही है। थानाधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों को आश्वस्त किया गया है कि उनकी शिकायत की गंभीरता से जांच की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों से कानून हाथ में नहीं लेने और विधिसम्मत प्रक्रिया अपनाने की अपील की। इसके बाद शुक्रवार रात करीब ग्रामीणों के एक प्रतिनिधिमंडल ने पिलानी थाने पहुंचकर शिक्षिका के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

गांव के पूर्व उप सरपंच मदन चनेजा और पंच प्रतिनिधि पवन गुर्जर ने कहा कि गांव में लंबे समय से भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बना हुआ है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से ग्रामीण इन गतिविधियों को लेकर चिंतित थे, जिसके चलते सामूहिक रूप से अपनी बात प्रशासन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया। ग्रामीण विक्रम शर्मा ने कहा कि प्रशासन को मामले की तह तक जाकर निष्पक्ष जांच करनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थितियों से बचा जा सके और सामाजिक सद्भाव बना रहे। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

- ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया
- ग्रामीणों का आरोप है कि शिक्षिका पिछले कुछ समय से गांव में घर-घर जाकर महिलाओं व अन्य ग्रामीणों से संपर्क कर रही है

फायरिंग मामले प्रकरण दर्ज

लालसोट, (निसं)। शहर में शुक्रवार दोपहर हुए सनसनीखेज गोलीकांड के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है। मृतक धर्मेंद्र उर्फ योगेंद्र मीणा के भाई लेखराज मीणा की रिपोर्ट पर लालसोट थाने में चेतराम गुर्जर उर्फ राहुल खटाना, जसराम गुर्जर और देशराज गुर्जर सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार घटना तालोड़ा जमात स्थित एक ढाबे के बाहर हुई, जहां धर्मेंद्र अपने साथियों के साथ खाना खा रहा था। इसी दौरान आरोपी वहां पहुंचे और पहले विवाद करते हुए गाली-गलौज की। बाद में जैसे ही धर्मेंद्र बाहर निकला, आरोपियों ने उस पर गोली चला दी। गोली उसके सीने में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे तत्काल लालसोट अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और मुख्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा और मामले का खुलासा किया जाएगा।

हनुमानगढ़ में युवक का अपहरण कर हत्या की साजिश नाकाम

हनुमानगढ़, (निसं)। पल्लू थाना क्षेत्र में एक युवक के अपहरण और हत्या की साजिश को पुलिस ने नाकाम कर दिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत युवक को सकुशल बरामद कर लिया और इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि नौ अप्रैल की रात पल्लू निवासी कानाराम के पुत्र अनिल कुमार के अपहरण की सूचना मिली थी। अज्ञात व्यक्तियों ने अनिल का उसकी वर्कशॉप से जबरन अपहरण कर लिया था। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुरेश मील के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया और पूरे क्षेत्र में नाकाबंदी की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी और मानवीय सूचनाओं का उपयोग करते हुए तेजी से कार्रवाई की। इस दौरान आरोपी अमित कुमार (24) निवासी रोही रणजीतपुरा, हनुमानगढ़ टाउन और रमेश उर्फ रामा (29) निवासी पूरबसर, पल्लू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से अपहृत अनिल कुमार को सकुशल छुड़ाकर उसके परिजनों को सौंप दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी युवक को एक वाहन में डालकर रोही ढाणी माहेला और ढाणी लेघान ले गए थे। वहां अपहृत युवक के साथ मारपीट की गई और उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने किसी पुराने विवाद के चलते इस वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने इस मामले में विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना में शामिल अन्य आरोपी राकेश, प्रदीप और रविंद्र सहित अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। पुलिस अब फरार अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसके साथ ही, मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

- पल्लू पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, अपहृत युवक सकुशल बरामद
- बताया जा रहा है कि आरोपियों ने किसी पुराने विवाद के चलते वारदात को अंजाम दिया था

अजमेर में यूनानी थेरेपी के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा

अजमेर, (निसं)। अजमेर पुलिस ने यूनानी थेरेपी के नाम पर ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए फर्जी डॉक्टर सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने एक 62 वर्षीय वृद्ध को बीमारी के बहाने झांसे में लेकर लाखों रुपये की ठगी की थी।

जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र निवासी हरिराम किशनचंद मूलचंदानी ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 26 मार्च को एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें रोककर बीमारी का झांसा दिया। इसके बाद उसे एक कथित डॉक्टर से संपर्क करवाया गया, जिसने इलाज के नाम पर पैसे ऐंठने शुरू कर दिए। अगले दिन आरोपी उनके घर पहुंचे और कई बार नकली उपचार करते हुए कुल 4.39 लाख रुपये ठग लिए। एसपी अग्रवाला ने बताया कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित की। जहां पुलिस टीम ने अजमेर शहर और निजी भवनों में लगे 250 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसके आधार पर आरोपितों की पहचान की गई। जांच के दौरान पुलिस ने लोकेशन ट्रेस कर आरोपितों को भोपाल (मध्य प्रदेश) से गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपितों में फर्जी डॉक्टर समीर जरीवाला, मोहम्मद कादिर और उसके साथी शामिल हैं। पुलिस टीम ने इन आरोपितों के कब्जे से ठगी की रकम में से 33,800 रुपये और इलाज में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण व दवाइयां सहित 12 मोबाइल फोन और 9 सिम कार्ड और वारदात के दौरान काम में ली गई एक स्विफ्ट कार भी बरामद की है। आरोपी भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में वाहनों पर रेडियम टेप लगाकर घूमते थे और वहां अकेले या बीमार दिखने वाले लोगों को निशाना बनाते थे। इसके बाद उन्हें इलाज का झांसा देकर ठगी को अंजाम देते थे।

- अजमेर पुलिस ने फर्जी डॉक्टर सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया
- आरोपियों ने वृद्ध को बीमारी के बहाने झांसे में लेकर लाखों की ठगी की थी

झुंझुनूं : अवैध खनन, अतिक्रमण और सहायक नालों पर कब्जे की भेंट चढ़ी 'काटली नदी'

''काटली नदी बचाओ'' जन अभियान शुरू, 80 लाख आबादी को मिल सकता है लाभ

झुंझुनूं/सीकर/चूरू, (निसं)। कभी शेखावाटी अंचल की जीवन रेखा कही जाने वाली काटली नदी आज अस्तित्व के संकट से जूझ रही है। हालात इतने गंभीर हैं कि नई पीढ़ी इस नदी को केवल बुजुर्गों की कहानियों में ही सुन पा रही है। अवैध खनन, अतिक्रमण, जल स्त्रोतों के मार्ग में बदलाव, सहायक नालों पर कब्जे, एनीकट व बांध निर्माण, अत्यधिक जल दोहन और घटती हरियाली ने मिलकर इस नदी को लुप्तप्राय: बना दिया है।

झुंझुनूं की सरस्वती रूरल एंड अर्बन डेवलपमेंट सोसायटी ने इस संकट को लेकर काटली नदी बचाओ जन अभियान शुरू किया है। अभियान संयोजक सुभाष कश्यप के नेतृत्व में जनजागृति के साथ-साथ विस्तृत पुनर्जीवन योजना तैयार कर मुख्यमंत्री सहित विभिन्न विभागों को ज्ञापन सौंपे गए हैं। वहीं, अमित कुमार और कैलाश मीणा द्वारा दायर याचिका पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेश के बाद नदी संरक्षण की दिशा में कानूनी रास्ता भी साफ हुआ है। राजस्थान सरकार ने काटली नदी की वास्तविक स्थिति जानने के लिए ड्रोन सर्वे कराया है और पुनर्जीवन योजना पर काम शुरू कर दिया है।

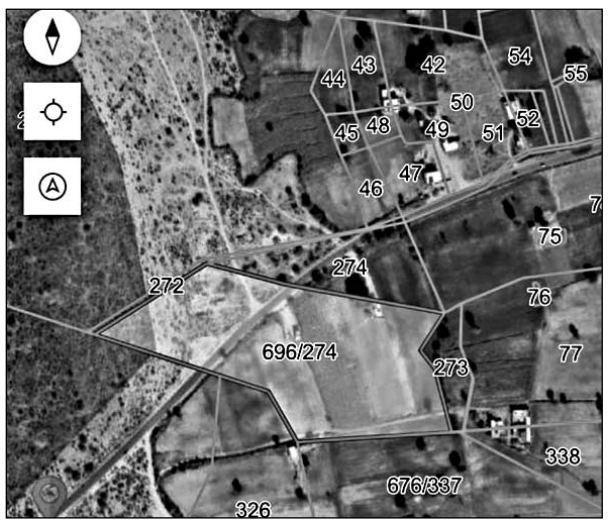

काटली नदी की वास्तविक स्थिति जानने के लिए ड्रोन सर्वे कराया है।

- अभियान संयोजक सुभाष कश्यप के नेतृत्व में जनजागृति के साथ-साथ विस्तृत पुनर्जीवन योजना तैयार कर मुख्यमंत्री सहित विभिन्न विभागों को ज्ञापन सौंपे गए

नदी क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी जारी है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि केवल यह प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे, क्योंकि नदी के पारंपरिक जल स्त्रोत लगभग समाप्त हो चुके हैं। अभियान से जुड़े लोगों ने अब बड़ा प्रस्ताव रखा है। काटली नदी में बने एनीकट व बांध हटाए जाएं या फिर उनमें सिंधु जल लाकर प्रवाहित किया जाए जोधपुरा सुनारी, हीरवाना, मैनपूरा और बगड़ क्षेत्र में कच्चे बांध बनाकर सिंधु जल लाने की योजना भी सुझाई गई है। यदि यह योजना साकार होती है, तो अनुमानित 80 लाख से अधिक आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। इससे जैव विविधता लौटेगी, जलवायु संतुलन सुधरेगा, पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा, स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

अभियान संयोजक सुभाष कश्यप और उनकी टीम जल्द ही प्रधानमंत्री से मिलकर सिंधु जल को काटली नदी में लाने की मांग उठाएंगे और विस्तृत योजना प्रस्तुत करेंगे। अभियान को जन-जन से जोड़ने की अपील करते हुए कश्यप ने कहा कि यह केवल नदी नहीं, बल्कि पूरे शेखावाटी के भविष्य की लड़ाई है। नदी का मुद्दा केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और अस्तित्व का प्रश्न बन चुका है। सरकारी प्रयास, जन आंदोलन और न्यायिक हस्तक्षेप के बावजूद यदि ठोस और दीर्घकालिक समाधान नहीं निकला, तो आने वाली पीढ़ियां काटली का नाम ही सुनेंगी।

झुंझुनूं में अवैध हथियार सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया

बुहाना/झुंझुनूं (निसं)। जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस थाना बुहाना ने एक आरोपी को अवैध 12 बोर सिंगल बैरल बंदूक और कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 6 जिंदा और 7 खाली कारतूस बरामद किए गए हैं।

थाना अधिकारी बिमला बुडानिया के नेतृत्व में गठित टीम ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की गई। शनिवार को गश्त के दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति कुहाड़वास की पहाड़ियों की ओर बंदूक लेकर जा रहा है। सूचना पर टीम तुरंत मौके पर पहुंची। वहां एक व्यक्ति कंधे पर हथियार लटकाए दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम करण सिंह पुत्र बनवारी लाल, निवासी कुहाड़वास बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से 12 बोर की सिंगल बैरल बंदूक, 6 जिंदा कारतूस और 7 खाली कारतूस बरामद हुए। लाइसेंस पूछने पर वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर हथियार व कारतूस जब्त कर लिए हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी थाना बुहाना में मामला दर्ज है।